उपसभापति : बस हो गया ।

श्री गोविन्दराम मिरी : मेरा कहना यह है कि ...(**व्यवधान**)

उपसभापति : कि जोन खुलना चाहिए ।...(**व्यवधान**)

श्री गोविन्दराम मिरी : प्रदेश कांग्रेस की दो गुट की राजनीति ने यह तोड़फोड़ कराई है और राष्ट्रीय संपति को आग लगवाई हैं। आज यह स्टेशन छित्र-भित्र पड़ा हैं, वीरान सा पड़ा हैं। ...(**व्यवधान**) उसको रेस्टोर होने में अभी कई महीने लगेंगे ।

उपसभापति : बस। चतुरानन जी, आप बोलिए ।...(**व्यवधान**)

श्री गोविन्दराम मिरी : अंत में मैं यह मांग करता हूं कि शीघ्र न्यायिक जांच हो गयी और दोषी लोग दंडित हों।

उपसभापति : बस हो गया । सुन लिया। ...(**व्यवधान**) चतुरानन जी, आप बोलिए ।...(**व्यवधान**)

श्री लक्खीराम अग्रवाल(मध्य प्रदेश) : यह काफी गंभीर आरोप हैं। मैं चाहता हूं कि इसकी इन्कवायरी होनी चहिए। वहां पर भारी हानि हुई हैं। इस घटना की न्यायिक जांच की जाए ।...(**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश): मैडम, हम सब चाहते हैं कि विलासपुर में जोन खोलें । विलासपुर में खुलना चाहिए ।

श्री राघवजी (मध्य प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करता हूं ।...(**व्यवधान**)

उपसभापति : सुन लिया।...(**व्यवधान**) I have to sit five minutes late.

एक बजने में पांच मिनट है और अब क्योंकि तीन नाम हैं इसलिए मैं पूरे करके जारूंगी।

श्री चतुरानन मिश्र : हम दो मिनट में खत्म कर देंगे । ...(**व्यवधान**)

उपसभापति : नहीं , मैं यह बात बोलना चाहती हूं जो मैं सुबह कह रही थी कि यहां इस हाउस में जिसका नाम पहले आ जाता है वह पूरे हाउस के टाईम को मोनोपलाइज़ करते हैं। वह सब मेंबर्स जिन के नाम बाद में होते हैं, सफर करते हैं। अब आप का नाम है, डा. मुरली मनोहर जोशी जी हालांकि इस समय हाउस में नहीं हैं, उन का नाम है, उपेन्द्र जी और पिल्लै जी का नाम भी हैं। is there. All these names are there. These Members suffer. This is not fair to your own colleagues. Just because somebody's name comes first in the list, he makes a speech and walks out of the House. Make a political speech and go away! Everybody should get the time equally for every subject which is as important for the Member as for the people of this country. That is what I have been trying to say all the time. Nobody cooperates. If Members do not cooperate with the Chair, they should at least cooperate with each other.

I. RE. DENIAL OF PANCHAVATI RAJ TO TRIBALS BY NON-ACCEPT ANCE OF BHURIA COMMITTEE RECOMMENDATIONS

II. RE. HUNGER STRIKE BY TRIBAL LEADERS

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं सरकार की गलती के कारण इस देश में आदिवासियों के ऊपर जो एक बड़ा अन्याय हो रहा है, उस ओर आप का और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । महोदया, जब पंचायती राज के लिए संविधान संशोधन हो रहा था, उस वक्त आदिवासियों की विशिष्टता को देखते हुए यह तय किया गया था कि उस के लिए अलग से कानून बनेगा उन के रिवाजों को देखते हुए अलग से कानून बनेगा उन के रिवाजों को देखते हुए और इस संबंध में बनी भूरिया कमेटी ने भी रिपोर्ट दी हैं, परंतु अभी तक पंचायती राज से उन लोगों को वंचित किया गया हैं।

महोदया, अभी सारे देश से आदिवासी लोग यहां भूख हड़ताल और अनशन पर थे। उस समय हमारे हस्तक्षेप पर गृह मंत्रीजी ने अहलूवालिया जी को भेजा था ।उन के साथ कुछ बातें हुई थीं , लेकिन अभी तक यह निष्कर्ष नहीं निकल सका है कि उन के लिए क्या किया जाय। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि उन को भी पंचायती राज मिले । इस के लिए जल्द- से –जल्द कानून बनाएं । अगर कानून नहीं बन सकें तो सत्र समाप्त होने के बाद आर्डिनेंस के जरिए उन को यह सुविधा दी जाए क्योंकि यह समाज के सब से उपेक्षित वर्ग में से हैं। यही मेरा अनुरोध हैं। धन्यवाद ।